संगीत

Reprint 2026-27

शिक्षकों के लिए

- कक्षा में सिखाए गए गीतों का घर में अभ्यास करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें।
- विभिन्न त्यौहारों और उत्सवों पर घर में गाए जाने वाले गीतों को गाने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। इन गीतों को कक्षा में भी गाएँ और अपने मित्रों को भी सिखाएँ।
- हमारे दैनिक जीवन में गीत-संगीत अनेक प्रकार से जुड़ सकता है, उदाहरण के लिए प्रार्थना सभा में अथवा दो कालांश के बीच घंटी बजाने के स्थान पर कोई धुन बजायी जा सकती है।
- देश के सभी भागों में सुने जाने वाले अलग-अलग शैलियों का संगीत सुनें और उनका आनंद लें। विद्यार्थियों के साथ उनके द्वारा विभिन्न आवाजों, वाद्ययंत्रों, भाषाओं और शैलियों में सुने जाने वाले गीतों के बारे में चर्चा करें।
- पाठ्यपुस्तक के इस भाग में कई गतिविधियाँ दी गई हैं। साथ ही आप भी अन्य गतिविधियों का समावेश कर सकते हैं।
- क्यू.आर. कोड के माध्यम से पाठ्यपुस्तक में दिए गए अधिकांश गीत और गतिविधियों के ऑडियो एवं वीडियो को सुना और देखा जा सकता है।
- बच्चों का संगीत से परिचय कराने के लिए कलाकारों, अभिभावकों और अन्य शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

© NCERT not to be republished

6 हमारा राष्ट्रगान

गतिविधि 1 आइए, राष्ट्रगान गाएँ

बोल

जन–गण–मन–अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य–विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग।
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा,
उच्छल जलधि–तरंग।
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय–गाथा।
जन–गण–मंगल–दायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे॥

रचनाकार – रविन्द्रनाथ ठाकुर
भाषा – बांग्ला

क्या आप जानते हैं?

प्रत्येक देश का एक राष्ट्रगान होता है। यह देश का आधिकारिक गीत होता है और महत्वपूर्ण अवसरों पर गाया जाता है। जब भी राष्ट्रगान गाया जाता है तब हमें अपने देश के सम्मान के प्रतीक के रूप में खड़े हो जाना चाहिए।

राष्ट्रगान गाते समय आपको कैसा अनुभव होता है?

अपने विद्यालय की प्रार्थना को सुनें, सीखें और गाएँ।

आप संगीत की किन अन्य विधाओं से परिचित हैं?

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

गतिविधि 2 ध्वनि और संगीत

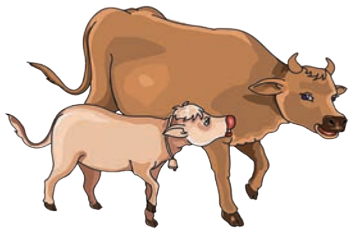

हमारे चारों ओर अनेक ध्वनियाँ सुनाई देती हैं।

वर्षा से उत्पन्न ध्वनि, चिड़ियों की चहचहाहट, चलती रेलगाड़ी की ध्वनि, गाय का रंभाना, पत्तों की सरसराहट, विभिन्न पूजा स्थलों की प्रार्थनाओं और घंटियों की ध्वनियाँ, विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्रों ढोल, बाँसुरी, डमरू, ढफली, मंजीरा आदि की ध्वनियाँ। क्या आपने ध्यान दिया कि ये सभी ध्वनियाँ एक-दूसरे से किस प्रकार भिन्न हैं?

क्या आप अपने आस-पास सुनाई देने वाली विभिन्न ध्वनियों के बारे में बता सकते हैं? उन्हें नीचे दिए स्थान में लिखिए।

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

क्या आप जानते हैं?

कुछ ध्वनियों का संकलन संगीत बनाता है। यह जानना आवश्यक है कि संगीत क्या है— सुमधुर, लयबद्ध और आनंददायक ध्वनि संगीत कहलाती है।